विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, असम के उच्च शिक्षा शिक्षक सम्मेलन में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का अभिभाषण

दिनांक 17 अक्टूबर 2023, मंगलवार	समय : 10.30 AM	स्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

- एनटीए के चेयरमैन प्रो. प्रदीप कुमार जोशी जी,
- यूजीसी के उपाध्यक्ष प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव जी,
- विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय आयोजन सचिव श्री के.एन रघुनंदन जी,
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री कैलाश चंद्र शर्मा जी,
- गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.जे हैंडिक जी,
- उपस्थित शिक्षकगण
- असम की विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्था के सम्मानित अधिकारीगण एवं सदस्यगण
- मेरे प्यारे विद्यार्थियों, मीडिया से हमारे मित्रों,

नमस्कार!

उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षकों के इस सम्मेलन में आप सबके बीच उपस्थित होकर प्रसन्नता हो रही है। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करने के लिए मैं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान को धन्यवाद देता हूं और इस सम्मेलन की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान (वीबीयूएसएस) उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाला एक स्वैच्छिक संगठन है। यह भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में नीति वकालत और संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अवधारणा को साकार करने के लिए काम कर रहा है, जो उच्च शिक्षा के आदर्श और गतिविधियों को निर्धारित करता है। विद्या भारती उत्कृष्टता के एक ऐसे केंद्र बनाने का प्रयास कर रही है, जो प्राचीन और आधुनिक, पारंपरिक और गैर-पारंपरिक का संयोजन होगा।

मुझे खुशी है कि यह संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर शिक्षण संस्थानों में, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए नियमित रूप से राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार, चर्चा और वेबिनार आयोजित करता है। पिछले कई वर्षों से इस संस्थान द्वारा कई शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

इसी श्रृंखला में संस्थान ने आज उच्च शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर चर्चा के लिए शिक्षकों के सम्मेलन का आयोजन किया है। इस सम्मेलन का उद्देश्य शैक्षिक क्षेत्र की उन्नति के लिए उच्च शिक्षा शिक्षकों की विशेषज्ञता को बढ़ाना है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह सम्मेलन राष्ट्रीय निर्माण में शिक्षक की भूमिका, राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा, पाठ्यक्रम शिक्षाशास्त्र, क्षमता निर्माण और एकीकृत मुक्त और दूरस्थ शिक्षा और भारत-2047: विजन, मिशन और कार्यान्वयन जैसे प्रासंगिक विषयों पर प्रकाश डालेगा।

मित्रों,

शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है, जो अनुभवों में वृद्धि कर व्यक्ति के व्यवहार में वांछित परिवर्तन लाती है। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास का प्रमुख स्रोत है। किसी भी देश के विकास के लिए मानवीय संसाधनों का समुचित विकास आवश्यक है। मानवीय संसाधनों के विकास का महत्वपूर्ण कार्य शिक्षा द्वारा ही सम्भव हो सकता है। मानवीय संसाधनों के विकास की दृष्टि से उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है।

उच्च शिक्षा शिक्षा का वह स्वरूप है, जो मनुष्य को कार्यगत एवं स्वभावगत विशिष्टता प्रदान करती है अर्थात उच्च शिक्षा मनुष्य को जीवन की विशिष्टता की ओर उन्मुख करती है। किसी देश के सतत विकास हेतु उच्च शिक्षा जीवन के विभिन्न मार्गों जैसे सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी आदि के लिए एक मुख्य स्रोत हैं।

विश्वविद्यालय एवं उच्च शैक्षणिक संस्थान अपने अनुसंधान एवं उच्चतर प्रशिक्षण के माध्यम से वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान का सृजन करते हैं और जहाँ कहीं भी इस प्रकार का ज्ञान सृजित होता है, उसे सम्पूर्ण विश्व में हस्तांतरित करने, फैलाने और अनुकूलन में मदद करते हैं।

मित्रों,

वर्ष 1964-66 में पहली शिक्षा नीति कोठारी कमीशन की सिफारिशों पर आधारित थी। दूसरी शिक्षा नीति वर्ष 1986 में लागू की गई। लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन दोनों नीतियों की तुलना में कई महत्वपूर्ण परिवर्तनों के साथ लागू की गई है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की साक्षरता दर 74% ही हो पाई, जबकि भारत के साथ ही स्वतंत्रता प्राप्त करने वाले पड़ौसी देश चीन और जापान में साक्षरता दर क्रमशः 94% एवं 99% हो गई। वैश्विक पटल पर भारत को श्रेष्ठ पायदान तक पहुँचने के लिए शैक्षणिक दृष्टि से और अधिक मजबूत होने की आवश्यकता है। वैश्वीकरण, आर्थिक उदारीकरण एवं डिजीटल क्रान्ति के कारण देश के शैक्षणिक जगत के सम्मुख इन नई चुनौतियों के अनुरूप युवा वर्ग को तैयार करने की जिम्मेदारी आ गई।

भारत सरकार ने 2017 में अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में एक नौ सदस्यीय कमेटी का गठन किया। कस्तूरीरंगन कमेटी की अनुशंसाएँ एवं प्राप्त सुझावों के आधार पर 29 जुलाई 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 की घोषणा की।

केन्द्र सरकार ने नई शिक्षा नीति के माध्यम से समाज में आए बदलावों से जुड़ने का श्रेष्ठ प्रयास किया है। आज देश में लगभग 1000 विश्वविद्यालय हैं, 45000 कॉलेज है, लाखों विद्यालय हैं, जिनमें लगभग 01 करोड़ शिक्षक तथा 33 करोड विद्यार्थी अध्ययन- अध्यापन में व्यस्त हैं। इन सभी का शिक्षा नीति से प्रत्यक्ष सरोकार है।

नई शिक्षा नीति में शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग की सिफारिश की गई है। यह एक क्रान्तिकारी कदम है। अब तक एक षड़यंत्र के तहत अंग्रेजीकरण के माध्यम से देश की प्रतिभाओं का उनके बाल्यावस्था में ही गला घोंटने की माकुल व्यवस्था कर रखी थी। विश्व की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को देख लीजिए, उनकी प्रगति का आधार उनकी मातृभाषा रही है। मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करना ही श्रेष्ठ वैज्ञानिक पद्धति है।

इस शिक्षा नीति में भारतीय संस्कृति एवं दर्शन के महत्व को स्वीकार करते हुए इस पर शोध की आवश्यकता बताई गई है, जिससे हमारे देश की समृद्ध विरासत का लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिल सके। देश के युवाओं को यहाँ की अद्वितीय कला, भाषा और परम्पराओं के बारे में ज्ञानवान बनाना राष्ट्रीय गौरव एवं आत्मविश्वास की दृष्टि से अति आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पुरातन और परिवर्तन का अदभुत संगम है।

आज के अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगी बाजार में आर्थिक विकास की बुनियाद शोध है। नई "शिक्षा नीति में नेशनल रिसर्च फाउण्डेशन की स्थापना तथा प्रतिवर्ष 20 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान स्वागत योग्य है। यह भारत में शोध कार्य हेतु एक नियामक संस्था होगी।

उच्च शिक्षा में नामांकन की दर (GER) 26.3% (2018) है, जिसे 2035 तक 50% करने का लक्ष्य प्रशंसनीय है। इसके लिए दूरस्थ शिक्षा को मजबूत करना होगा।

नई शिक्षा नीति में वैश्विक स्तर के विश्वविद्यालयों की स्थापना ऑनलाइन शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक तकनीकी फोरम (NETF) कॉलेजों को स्वायत्तशासी बनाना, उच्च शिक्षा आयोग की स्थापना आदि क्रान्तिकारी अनुशंसाओं से आने वाले समय में शिक्षा जगत में भारत नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

आत्मनिर्भर एवं आधुनिक भारत के निर्माण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की महती भूमिका रहेगी। देश की वर्तमान एवं भावी आवश्यकताओं के मद्देनजर नई शिक्षा नीति की सौगात तो हमें मिल चुकी है, अब इसका सफल क्रियान्वयन शैक्षणिक जगत के लिए एक चुनौती है। हमें इस चुनौती को स्वीकार करना होगा।

एनईपी 2020 के क्रियान्वयन से अपेक्षित महत्वपूर्ण परिणामों में से एक उत्कृष्ट शिक्षकों का निर्माण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सफलता में आप सभी शिक्षकों की अहम भूमिका है। चूंकि यह शिक्षा नीति वर्ष 2023-24 से लागू हो चुकी है, इसलिए आपको एनईपी के अनुरूप पाठ्यक्रमों में परिवर्तन तुरंत करने होंगे।

मल्टीपल एन्ट्री (Multiple Entry) और मल्टीपल एग्जिट (Multiple Exit) नई शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण भाग है। विशेषतः मल्टीपल एग्जिट की क्रियान्विति अत्यन्त गम्भीरता और पूर्व तैयारी से करनी होगी। एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC) की सफल क्रियान्विति के लिए छात्रों और उनके अभिभावकों को समझना आपका महत्वपूर्ण दायित्व है। इसी प्रकार कोर्स आउटकम (CO), प्रोग्राम आउटकम (PO) और लर्निंग आउटकम (LO) के सभी पहलू छात्रों को अच्छी तरह समझना आपका दायित्व होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कौशल शिक्षा को काफी महत्वपूर्ण माना गया है। इसकी क्रियान्विति वास्तव में हो यह भी आपको देखना होगा।

नई शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार की दृष्टि से

इंटर्नशिप (Internship) का प्रभावी क्रियान्वयन,

शिक्षा का अन्तर्राष्ट्रीयकरण,

शोध कार्यों में सुधार एवं प्रगति,

इन्टर डिसिप्लिनरी (Inter-Disciplinary) प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन,

शिक्षकों को निर्धारित मापदण्डों के अनुसार चयन,

क्रेडिट अंकों की व्यवस्था,

डिजिटल शिक्षा का प्रसार

जैसे महत्वपूर्ण क्रान्तिकारी सुधार किए गए हैं।

लेकिन इन सभी सुधारों की सफलता आप सभी शिक्षकों पर निर्भर है। इसलिए आप सभी से मैं अपील करता हूं कि राष्ट्रीय शिक्षा के सफल क्रियान्वयन के लिए अपना महत्वपर्ण योगदान दें।

अंत में एक बार फिर वि6द्या भारती उच्च शिक्षा संस्था के एनईपी 2020 के क्रियान्विति के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करता हूं और इस शिक्षक सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।

मुझे बताया गया है कि पिछले साल, 11 दिसंबर को संस्थान ने कोकराझाड़ सरकारी महाविद्यालय में "भारतीय भाषा दिवस" का आयोजन किया था। कॉलेज, कोकराझाड़, बीटीआर, असम। इसी तरह, पिछले वर्ष, 24 जुलाई को, VBUSS ने NIRD, खानापारा, गुवाहाटी असम में "जोनल टीचर्स ट्रेनिंग कैंप" का आयोजन किया था। 18 फरवरी 2023 को, हमने तुपामारी आंचलिक कॉलेज के सहयोग से "एनईपी 2020 और उच्च शिक्षा में बदलाव की गतिशीलता पर लोकप्रिय व्याख्यान" का आयोजन किया। कामरूप, असम. 14 मार्च 2023 को, हमने लखीपुर कॉलेज और जलेश्वर कॉलेज, गोलपारा, असम के सहयोग से "एनईपी 2020 और भावी आशा के भारत के लिए मातृभाषा का महत्व" पर एक सेमिनार का आयोजन किया। वीबीयूएसएस ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सहयोग से 20 से 23 मार्च 2023 तक आईयूसीटीई, बीएचयू में आयोजित "नेतृत्व और क्षमता निर्माण कार्यक्रम" के लिए उत्तर पूर्व क्षेत्र के कॉलेज प्रिंसिपल के 50 सदस्यों को प्रशिक्षण दिया है।

कॉन्सेप्ट नोट (अंडाकार बॉक्स में)